

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 27, भाग 1

2 राजा 18-19, भाग 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

हम 2 राजा, अध्याय 18 और 19 को देख रहे हैं। मैंने इसका शीर्षक रखा है, हिजकिय्याह, भरोसेमंद आदमी। यह बहुत ही दिलचस्प है कि हम यहूदा में किस तरह आगे-पीछे जाते हैं।

ऐसा लगता है कि उज्जियाह एक अच्छा आदमी था, लेकिन उसके बाद उसका नाती आहाज आता है, जो कि उसका बुरा पोता है। और आहाज के बाद हिजकिय्याह आता है, जो कि एक अच्छा आदमी है। और फिर हिजकिय्याह के बाद मनश्शे आता है, जो कि उन सभी में सबसे बुरा है।

इसलिए, इसे आगे-पीछे देखना दिलचस्प है। लेकिन यहाँ हमारे पास हिजकिय्याह है। जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि में उल्लेख किया है, उसकी सटीक तिथियों के बारे में गलतफहमी, असहमति है।

आम तौर पर, जब सह-शासन होता है, तो राजा के शासनकाल के कुल वर्ष उस समय से होंगे जब उसने सह-शासन शुरू किया था जब तक कि उसकी मृत्यु नहीं हो गई या उसे मार नहीं दिया गया या जो भी हो। और यह अब तक बहुत अच्छी तरह से काम करता रहा है। लेकिन यहाँ कुछ गलत हो गया।

हमें बहुत स्पष्ट रूप से बताया गया है कि हिजकिय्याह ने राजा के रूप में तब शुरुआत की जब उत्तर में इस्राएल अभी भी अंतिम राजा होशे के तीसरे वर्ष में अस्तित्व में था, जो 728 या 727 रहा होगा। लेकिन फिर हमें उसके शासनकाल की अवधि बताई गई है, और यह काम नहीं करता है। इसलिए, ऐसा लगता है कि, इस मामले में, उन्होंने सिंहासन पर उसके वर्षों की गिनती तब से शुरू की जब उसके पिता आहाज की मृत्यु 716 में हुई थी।

तो, वास्तविक तिथियों के बारे में बस थोड़ा आगे-पीछे है। लेकिन मुझे यह स्पष्ट रूप से लगता है कि जब उत्तर गिर गया था, तब वह सिंहासन पर था। और वह तब उत्तरी लोगों को बुलाने में बहुत सक्रिय था, जो असीरियन द्वारा उनमें से कुछ को निर्वासन में ले जाने के बाद बचे थे, उन्हें एक महान फसह के लिए यहूदियों में शामिल होने के लिए बुलाया।

और इसलिए यह सब इस सब में शामिल है। यशायाह ने आहाज से कहा था, अशशूर पर भरोसा मत करो। उन लोगों को राजा की फिरौती मत भेजो।

अगर आप ऐसा करेंगे, तो एक दिन ऐसा आएगा जब असीरिया आपको पूरी तरह से डुबो देगा। एक बड़ी बाढ़ ने पूरे देश को अपनी चपेट में ले लिया। और वास्तव में, ठीक यही हुआ है।

यह 701 की तारीख है, और असीरियन सम्राट सेनचेरिब आया था। सेनचेरिब हमें बताता है कि उसने 46 किलेबंद शहरों पर कब्ज़ा कर लिया था। हमारे दृष्टिकोण से ये किलेबंद गाँव रहे होंगे।

अंत में, इस भूमि पर केवल दो किले बचे हैं। मेरे पास आपको दिखाने के लिए नक्शा था, लेकिन आपको मेरे नक्शे से ही काम चलाना होगा। उन किलों में से एक यरूशलेम था।

दूसरा शहर था लाकीश या कभी-कभी लाकीश उच्चारित। अश्शूरियों ने महान तटीय राजमार्ग से नीचे आकर लगभग सभी पलिशती शहरों पर कब्ज़ा कर लिया था।

वे यरूशलेम तक नहीं आए थे क्योंकि आपको इस पहाड़ी से नीचे उतरना पड़ता, जो आसान नहीं था। इसलिए वे यहाँ हैं। वे आगे बढ़ने और मिस्र पर हमला करने के लिए तैयार हैं, लेकिन वे यरूशलेम को अपने पीछे रखकर ऐसा करने में सहज महसूस नहीं कर सकते।

यरूशलेम उस सड़क को काटने के लिए सेना भेज सकता है और यह अच्छी स्थिति नहीं होगी। इसलिए, दक्षिण से यरूशलेम जाने के लिए, उन्हें लाकीश पर कब्ज़ा करना होगा। लाकीश एक टीले पर बना एक बड़ा किला है।

आपको गेट तक पहुँचने के लिए रैंप पर गाड़ी चलानी होगी, और किले के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सारी सैन्य तकनीक ने इसे पूरा कर दिया है। तो, वहाँ सेना है, और लाकीश विफल होने लगा है। और इसलिए, सन्हेरीब अपने तीसरे कमांडर को भेजता है।

जाहिर है, वह अपने दूसरे कमांडर को अपने साथ नीचे रखता है लेकिन तीसरे कमांडर को यरूशलेम को आत्मसमर्पण के लिए राजी करने के लिए ऊपर भेजता है। अब ऐसा लगता है कि हिजकिय्याह ने वही किया जो इस्राएल और सीरिया ने आहाज के साथ करने की कोशिश की थी, और वह यह है कि उसने पलिशतियों के साथ गठबंधन बनाया था, या वह ऐसा करना चाहता था, और अम्मोनियों, मोआबियों, और एदोमियों, और दीमकों के साथ। नहीं, तो उसने ऐसा करने की कोशिश की थी।

पलिशती राजा ने प्रतिरोध किया था और हिजकिय्याह ने पलिशती राजा को पकड़कर यरूशलेम में कैद कर दिया था। तो, यह सिर्फ विजय का मामला नहीं है। यह विद्रोह से निपटने का मामला है।

अश्शूरियों ने विद्रोह को बहुत गंभीरता से लिया। इसलिए, यह कोशिश की जा रही है कि यहूदी लोग हिजकिय्याह को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर करें क्योंकि हिजकिय्याह ऐसा आसानी से नहीं करेगा क्योंकि अगर अश्शूरियों ने उसे पकड़ लिया, तो वह धीरे-धीरे और भयानक तरीके से मर जाएगा। आप अश्शूरियों के खिलाफ विद्रोह करके इसके बारे में बताने के लिए जीवित नहीं रहते।

तो यही स्थिति है। सेनचेरिब चाहता है कि वे शहर को आत्मसमर्पण कर दें। अन्यथा, उसे शहर की घेराबंदी करने के लिए सेना भेजनी होगी, और कौन जानता है कि वे कितने समय तक टिक पाएंगे, जिससे उसे बहुत सारा पैसा और समय खर्च करना पड़ेगा।

तो, मुद्दा यह है कि, चलो उसे आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर करें। चलो उसके लोगों को उसे आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर करने के लिए मजबूर करें। और यही हो रहा है।

तो, हिजकिय्याह क्या करता है? श्लोक 14, यहूदा के राजा हिजकिय्याह ने लाकीश में अशशूर के राजा को यह संदेश भेजा। मैंने तुम्हारे खिलाफ विद्रोह करके गलत किया है। मेरे पास से हट जाओ और जो कुछ भी तुम मुझसे मांगोगे, मैं उसे चुका दूंगा।

अशशूर के राजा ने यहूदा के राजा हिजकिय्याह से 300 प्रतिभा चांदी और 30 प्रतिभा सोना लिया। यह लगभग 11 टन सोना है। और माफ कीजिए, 11 टन चांदी और एक टन सोना।

इसलिए हिजकिय्याह ने उसे वह सारी चाँदी दे दी जो यहोवा के मंदिर और राजमहल के खज़ानों में थी। उसने यहोवा के मंदिर के दरवाज़ों और चौखटों पर लगे सोने को भी उतारकर अशशूर के राजा को दे दिया। ठीक है, तुम जो भी माँगोगे, मैं तुम्हें दे दूँगा अगर तुम चले जाओ।

और अशशूर का राजा कहता है, ठीक है, मुझे यह चुका दो। ठीक है, इस पृष्ठभूमि के साथ, आइए इस आदमी, हिजकिय्याह पर नज़र डालें। जब वह राजा बना तो उसकी उम्र 25 साल थी।

अब जब आप सभी तिथियों को एक साथ जोड़ते हैं, तो ऐसा लगता है कि जब 716 में उनके पिता की मृत्यु हुई, तब उनकी उम्र 25 वर्ष थी। और वह बहुत कम उम्र में अपने पिता के सह-शासक के रूप में आए थे। वह 25 वर्ष के थे और उन्होंने 27 वर्षों तक शासन किया।

उसने वही किया जो प्रभु की नज़र में सही था। यह तीसरी आयत है, किस मानक के अनुसार? हाँ, अब आपको याद है। क्या आपको याद है कि हमने पिछले राजाओं के बारे में क्या बात की थी? उनके पिता।

लेकिन यह आदमी फिर से मापने वाली छड़ी के पास चला गया है। तो, क्या सबूत है कि वह वास्तव में मापने वाली छड़ी के पास वापस चला गया था? श्लोक चार, उसने क्या किया? उसने ऊंचे स्थानों को हटा दिया। अब, क्या आपको पिछले यहूदिया के राजा याद हैं? वे वास्तव में अच्छे थे।

उन्होंने वाकई सही काम किए। लेकिन, उन्होंने ऊंचे स्थानों को वैसे ही रहने दिया। जैसा कि मैंने आपको बताने की कोशिश की है, मुझे लगता है कि उन अच्छे राजाओं की यह अज्ञानता का मामला था।

उन्होंने हाल ही में अपना व्यवस्थाविवरण नहीं पढ़ा था। जाहिर है, हिजकिय्याह न केवल दाऊद के मानक पर वापस गया, बल्कि वह वचन के मानक पर वापस गया। और कहा, हे भगवान, यह सही नहीं है।

हमें इन मूर्तिपूजक स्थानों पर यहोवा की पूजा नहीं करनी चाहिए। अब, मुझे नहीं लगता कि वे इस समय अनिवार्य रूप से मूर्तियों की पूजा करते हैं। वे हिजकिय्याह के बेटे मनश्शे के अधीन होने जा रहे हैं।

लेकिन, वे इन जगहों पर यहोवा की पूजा कर रहे हैं। जैसा कि मैंने आपको बताया, इसमें समस्या यह है कि प्राचीन दुनिया में, ऐसा माना जाता था कि, यह एक यहोवा है। यह दूसरा यहोवा है।

यह एक और यहोवा है। तुम अलग होने लगे, भगवान। खैर, मैं हेब्रोन के यहोवा की पूजा करता हूँ।

तुम बेचारे मूर्ख, तुम सिर्फ़ बेथलेहम के यहोवा की पूजा करते हो। और इस तरह की सारी चीज़ें। इसलिए, उसने ऊँचे स्थानों को काट दिया।

उसने ऊँचे स्थानों को तोड़ दिया, और उन्हें हटा दिया। पवित्र पत्थर को तोड़ दिया। अशेरा के खंभों को काट दिया।

अब, यहाँ एक दिलचस्प बात है। मूसा ने जो पीतल का साँप बनाया था, उसे उसने टुकड़े-टुकड़े कर दिया। उस समय तक, इस्राएली उसके लिए धूप जलाते रहे थे।

तो, अब यह 700 है। पलायन, प्रारंभिक तिथि, 1400 में हुआ था। तो, 700 वर्षों से, वे उस कांस्य साँप की पूजा करते आ रहे हैं।

वैसे, यही कारण है कि मूसा ने दावा किया था कि वह अपनी लाठी से पानी बना सकता है, जिसके बाद प्रभु ने उसे वादा किए गए देश में ले जाने की अनुमति नहीं दी। अगर वे इस साँप की पूजा कर रहे थे, तो आपको क्या लगता है कि वे मूसा के साथ क्या कर रहे होंगे? वे महान ईश्वर मूसा की पूजा कर रहे होंगे, यह तो पक्का है। तो, यह ईश्वर की ओर से कोई छोटी-मोटी बात नहीं है।

खैर, तुमने वो नहीं किया जो मैंने तुमसे कहा था। इसलिए, मैं तुम्हें अंदर नहीं जाने दूँगा। नहीं, ऐसा नहीं है।

क्षमा करें, आप ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि आपने इन लोगों को यह सोचने दिया है कि यह आपकी दिव्य क्षमता है। इसलिए, पाँचवीं आयत में, हिजकिय्याह ने इस्राएल के परमेश्वर यहोवा पर भरोसा किया। यहूदा के सभी राजाओं में उसके जैसा कोई नहीं था, न तो उससे पहले और न ही उसके बाद।

अब, अध्याय तीन, श्लोक 25 पर जाएँ। यह योशियाह 23, 25 के बारे में बात कर रहा है। कोई इसे पढ़े, कृपया, अच्छे से और ज़ोर से।

अब, उससे पहले, उसके जैसा कोई राजा नहीं हुआ जो अपने पूरे दिल, अपनी पूरी आत्मा और अपनी पूरी ताकत से यहोवा की ओर मुड़ा हो। मूसा के पूरे कानून के अनुसार, न ही उसके बाद कोई उसके जैसा उठ खड़ा हुआ। ठीक है, अब, एक मिनट रुको।

हमने अभी कहा कि हिजकिय्याह जैसा कोई पहले या बाद में नहीं हुआ। किस मायने में हिजकिय्याह असामान्य था? उस आयत को देखें, 18 में से पाँचवीं आयत। योशियाह किस तरह से अपने भरोसे में असाधारण था? अपने पश्चाताप में और प्रभु की खोज में।

ये दोनों आयतें विरोधाभासी नहीं हैं। वे दो अलग-अलग विशेषताओं का वर्णन करती हैं। पश्चाताप में कोई भी योशियाह जैसा नहीं था, और भरोसा में कोई भी हिजकिय्याह जैसा नहीं था।

कहा जाता है कि भरोसा किसी भी रिश्ते का आधार होता है। ऐसा क्यों है? यह एक सत्य की तरह लगता है, लेकिन ऐसा क्यों है? ठीक है, आप किसी से कैसे संबंध बना सकते हैं? कोवे ने ट्रस्ट, द वन वर्ड दैट चेंजेस एवरीथिंग नामक पुस्तक लिखी है। अब, फिर से, आइए एक मिनट के लिए इस पर चर्चा करें।

यह सब कुछ क्यों बदल देता है? क्या भरोसा खत्म कर देता है? झूठ, झूठ। अगर आप अपने जीवनसाथी पर भरोसा नहीं कर सकते, तो आप दोनों के बीच एक दीवार खड़ी हो जाएगी। आप दोनों हमेशा अपने जीवनसाथी द्वारा बोले जाने वाले संभावित झूठ से खुद को बचाएंगे।

हर रिश्ते की यही मुख्य बात है। हर रिश्ता भरोसे पर टिका होता है। मैं खुद को आपके प्रति समर्पित करने जा रहा हूँ क्योंकि मुझे विश्वास है कि आप मेरे सर्वोत्तम हित में काम करेंगे।

और यही ईश्वर के साथ हमारे रिश्ते की सबसे बड़ी बात है। जैरी, मैं उसी समय रोमानिया में था। और उन्होंने कहा, हम जानते थे कि देश का हर तीसरा व्यक्ति मुखबिर था।

हम बस यह नहीं जानते थे कि तीसरा व्यक्ति कौन है। अब हमारे देश में जो हो रहा है वह विश्वास का क्षरण है। मैं हाल ही में एक लेख पढ़ रहा था जिसमें बताया गया था कि एक साधारण व्यवसाय में कर्मचारियों द्वारा कितनी चोरी की जाती है।

समस्या यह है कि, और जो हुआ है, वह यह है कि हमारे देश में बहुत से लोगों के पास एक आंतरिक जाइरोस्कोप था जो कहता था, मैं सही काम करूँगा चाहे कोई देख रहा हो या नहीं। हमने जाइरोस्कोप खो दिया है। और दुनिया में इतने पुलिसकर्मी नहीं हैं कि अगर लोगों के पास वह आंतरिक जाइरोस्कोप न हो तो उन्हें सही काम करने के लिए मजबूर कर सकें।

तो यह है, यहाँ भरोसा है। यह वही है जो परमेश्वर इतने सालों से बनाने की कोशिश कर रहा था। और यहाँ एक आदमी है जिसने परमेश्वर पर भरोसा किया।

इसका मतलब यह नहीं है कि उसने पूरी तरह से काम किया। यशायाह की किताब और मैंने जो काम किया है, उसमें यह बात मेरे लिए दिलचस्प है कि यशायाह हिजकिय्याह के बारे में थोड़ा सतर्क है। यह बहुत दिलचस्प है।

तो, इसका मतलब यह नहीं है कि वह सब कुछ सही करता है, लेकिन वह जोखिम उठाने को तैयार है और कहता है, मैं भगवान पर भरोसा करने जा रहा हूँ। ऐसा कुछ जो उसके पिता करने के लिए बिलकुल भी तैयार नहीं थे। और इसलिए, पाठ कहता है कि यह उसे चिह्नित करता है।

यह उसे एक बहुत ही असामान्य व्यक्ति के रूप में चिह्नित करता है। छंद छह पर ध्यान दें: उसने क्या किया? वह प्रभु से लिपटा रहा। हाँ, हाँ।

और यह एक और व्यवस्थाविवरण शब्द है जहाँ व्यवस्थाविवरण कहता है कि उससे प्रेम करो और उससे डरो, उसकी सेवा करो और उससे लिपटे रहो। हाँ, हाँ। यह सिर्फ़ स्वामी-सेवक का रिश्ता नहीं है।

और यह हमें यीशु की याद दिलाता है। मैं अब तुम्हें नौकर नहीं कहता। मैं तुम्हें दोस्त कहता हूँ।

उससे लिपटे रहो, उससे लिपटे रहो। और इसलिए, प्रभु उसके साथ था, और वह जो भी काम करता था, उसमें सफल होता था। लेकिन अब साल आ गया है।

एकमात्र राजा बनने के 14वें साल में, यहाँ सेनचेरीब आता है। उत्तरी राज्य के पतन को अभी सिर्फ़ 20 साल हुए हैं, और असीरिया की सीमा ठीक वहीं थी। यह एक बहुत ही डरावनी जगह है।

तो, सामरिया का पतन हो चुका है। इस्राएल के तीन-चौथाई लोगों को निर्वासित कर दिया गया है। हम यरूशलेम के पतन के बारे में सोचते हैं जो वास्तव में एक सदमा है।

और, बेशक, ऐसा ही हुआ। लेकिन यह भी एक भयानक सदमा रहा होगा। क्या हुआ? भगवान ने हम सभी से ये सारे वादे किए थे।

और हाँ, हमारा वह हिस्सा, हम बेवफ़ा हैं, हम अवज्ञाकारी हैं, लेकिन क्या हुआ है? इन सबके बीच क्या होने वाला है? उन 20 सालों या उससे ज़्यादा समय से, ये सारे सवाल घूम रहे हैं। और अब यशायाह की आहाज को की गई भविष्यवाणी सच हो गई है। अश्शूरियों का यहाँ तक आना तय है।

तो कृपया चले जाओ। मैं तुम्हें जाने के लिए पैसे दूंगा। लेकिन सन्हेरीब पैसे ले लेता है और नहीं जाता।

तो यहाँ असीरियन सेना का तीसरा कमांडर एक बड़ी सेना के साथ आता है और मांग करता है कि वे आत्मसमर्पण करें। अब, यह एक उदाहरण है कि असीरियन ने अपना होमवर्क कितनी अच्छी तरह से किया। यहाँ उनके तर्क, जो बहुत व्यवस्थित नहीं हैं, लेकिन उन्हें व्यवस्थित तर्क में कोई दिलचस्पी नहीं है।

वह उन्हें पीट रहा है, और उन्होंने अपना होमवर्क कर लिया है। उनके होमवर्क का एक हिस्सा यह है कि वह हिब्रू जानता है। वाह, यहाँ पर यह छोटा सा देश।

उन्होंने कितना समय बिताया? डेविड बैगबी यहाँ हैं। वे सेमिनरी में पीएचडी कर रहे हैं। हिब्रू सीखने में थोड़ा समय लगता है, है न? तो, उनके तर्कों को देखें और यह बहुत स्पष्ट है।

मेरे सामने NIV है। वे इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करेंगे जैसे कि निर्भर करना, इस तरह की चीज़ों पर भरोसा करना। लेकिन यह हिब्रू में है।

यह भरोसा, भरोसा, भरोसा, भरोसा, भरोसा है। यही है, यही श्लोक 19 है। यही महान राजा, अशूर का राजा कहता है।

तुम अपने इस भरोसे को किस बात पर आधारित कर रहे हो? तुम कहते हो कि तुम्हारे पास युद्ध के लिए युक्ति और शक्ति है, लेकिन तुम केवल खोखली बातें करते हो। तुम किस पर निर्भर हो कि तुम मेरे खिलाफ विद्रोह कर रहे हो? तो, नंबर एक, तुम कहते हो कि मेरे खिलाफ लड़ने के लिए तुम्हारे पास पर्याप्त ताकत है। खोखली बातें।

नंबर दो, आप किस पर निर्भर हैं? श्लोक 21, मिस्र। वह हँसता है, मिस्र। क्या आप जानते हैं कि मिस्र क्या है? यह एक ऐसा नरकट है जो पहले से ही झुका हुआ है।

तुम इसे छड़ी की तरह इस्तेमाल करने जा रहे हो। मैं तुम्हें बताता हूँ कि क्या होगा। यह छूट जाएगा और तुम्हारी बगल में छुरा घोंप देगा।

वह मिस्र है। तो, आप अपनी सैन्य रणनीति पर भरोसा कर रहे हैं। मिस्र पर भरोसा करना बेकार है।

बेकार। अब देखिए आगे क्या आता है। श्लोक 22: हम किस पर निर्भर हैं? प्रभु पर।

अरे, ठीक है, एक मिनट रुको। एक मिनट रुको। मुझे पता चला है कि मैंने आपके हाल के धार्मिक इतिहास का अध्ययन किया है।

हिजकिय्याह ने यहोवा के सभी स्थानीय चर्चों को खत्म कर दिया। क्या आपको लगता है कि वह इस बात से खुश है? नहीं, यहोवा आपसे नाराज़ है। अब हम जानते हैं कि, वास्तव में, यहोवा इस बात से खुश था।

लेकिन मुझे यकीन है कि यहूदा में बहुत से लोग खुश नहीं थे। आप कहते हैं कि हमें आराधना करने के लिए यरूशलेम तक आना पड़ता था। हम माउंट सियोन में सड़क के नीचे आराधना करते थे।

तो, वह कहता है सैन्य रणनीति, मिस्र, प्रभु। इनमें से कुछ भी अच्छा नहीं होने वाला है। फिर, दिलचस्प बात यह है कि, श्लोक 22 में, क्षमा करें, 23 और 24 में, वह कहता है, अरे, इस समय वास्तव में कुलीन सैन्य टुकड़ी घुड़सवार सेना है।

रथ थोड़े पुराने हो गए हैं, लेकिन अब हम घोड़ों पर सवार हो सकते हैं और उन पर रह सकते हैं और घोड़ों से लड़ सकते हैं। तो, वह कहता है, मैं तुम्हें बताता हूँ, मैं तुम्हें 2000 घोड़े दूंगा। अगर तुम्हारे पास सवार होते, तो क्या तुम्हारे पास कोई प्रशिक्षित घुड़सवार होता? नहीं।

और फिर बहुत दिलचस्प है। श्लोक 25, यहोवा ने मुझसे कहा कि मैं तुम्हारे देश पर आक्रमण करूँ। खैर, वे उसे चुप रहने के लिए कहते हैं, और वह कहता है, नहीं, नहीं, मैं हिब्रू में बात करने जा रहा हूँ।

तो, ये सभी लोग यहाँ दीवार पर बैठे हुए सुन रहे हैं। जब यह घेराबंदी होगी तो कौन वास्तव में बुरा समय बिताने वाला है, मैं सुन सकता हूँ कि क्या हो रहा है, और वह आगे बढ़ता है। तो, वह कहता है, अरे, देखो, हिजकिय्याह को तुम्हें धोखा देने मत दो।

यह 29 है। वह तुम्हें मेरे हाथ से नहीं बचा सकता। हिजकिय्याह को यहोवा पर भरोसा करने के लिए राजी मत होने दो।

जब वह कहता है, "प्रभु हमें अवश्य बचाएगा। यह नगर अशशूर के राजा के हाथ में नहीं दिया जाएगा। देखो, मैं तुम्हारे साथ एक समझौता करूँगा।"

अगर तुम आत्मसमर्पण कर दोगे, तो मैं तुम्हें कुछ समय के लिए यहाँ रहने दूँगा। और फिर एक दिन, मैं आऊँगा और तुम्हें यहाँ से कहीं बेहतर जगह पर ले जाऊँगा। तो, यह सब बहुत कठिन काम है।

यह तर्क सीधे इन लोगों पर लक्षित है। तो, समस्या क्या है? उसकी गलती क्या है? यह जटिल नहीं है। वह भगवान को नहीं जानता।

उसे नहीं पता कि वह किस बारे में बात कर रहा है। ठीक है, तो वह पीछे हट गया। हमें ठीक से पता नहीं है कि उसने पीछे क्यों हटना चाहा।

कुछ संकेत हैं कि आखिरकार मिस्रियों ने हमला कर दिया है। और यही हो रहा है। लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि जब लोगों ने असीरियन सेना को पीछे हटते देखा तो उनका रवैया कैसा रहा होगा? आपको क्या लगता है? राहत की सांस।

पीछे मुड़कर देखें, कृपया यशायाह अध्याय 22 की आयत एक और दो पर नज़र डालें। अब जब आप सब छतों पर चढ़ गए हैं, तो आपको क्या परेशानी है? आप इतने हंगामे से भरे शहर में हैं।

तुम कोलाहल और उल्लास के शहर हो। तुम्हारे मारे गए लोग तलवार से नहीं मारे गए, है न? न ही वे युद्ध में मरे थे: पार्टी का समय, पार्टी का समय।

शायद मिस्र के साथ हमारा सौदा आखिरकार कामयाब हो गया। और वे पीछे हट गए। और फिर सन्हेरीब ने हिजकिय्याह को एक पत्र भेजा।

अध्याय 19 की नौवीं आयत। अब, सन्हेरीब को यह समाचार मिला कि कुश का राजा तेरहका उसके विरुद्ध युद्ध करने के लिए आ रहा है। इसलिए, उसने फिर से हिजकिय्याह के पास यह सन्देश लेकर दूत भेजे।

यहूदा के राजा हिजकिय्याह से कहो, जिस परमेश्वर पर तुम भरोसा करते हो, उससे धोखा मत खाओ। जब वह कहता है, यरूशलेम अशशूर के राजा के हाथ में नहीं दिया जाएगा। परमेश्वर की बात मत सुनो।

निश्चय ही, तुमने सुना होगा कि अश्शूर के राजाओं ने सभी देशों के साथ क्या किया है, उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। और क्या तुम बचोगे? क्या मेरे पूर्वजों द्वारा नष्ट किए गए राष्ट्रों के देवताओं ने उन्हें बचाया? हारान, गोजान, रेजेव और एडेन के लोग तेल अस्सार में थे। हमात का राजा या अर्पाद का राजा कहाँ है? लेयर, सेफर वैम, हेना और इवा के राजा कहाँ हैं? और यशायाह में, वह कहता है, क्या सामरिया के परमेश्वर ने उन्हें बचाया? अब, यहाँ ध्यान से देखो।

संघर्ष क्या है? हारे हुए कौन थे? अश्शूर के राजाओं ने किसे पदच्युत किया? देवताओं के बीच। यह संघर्ष है... यह यहोवा और अश्शूर के देवताओं के बीच संघर्ष नहीं है। ये राजा कहते हैं कि मैं तुम्हारे परमेश्वर से मुकाबला कर सकता हूँ।

मैंने हर जगह के देवताओं से मुकाबला किया है और उन्हें नष्ट भी किया है। और आपको लगता है कि आपका भगवान अलग है, है न? इसे चुज़पा कहते हैं, जिसका यिडिश में मतलब है हिम्मत। वाह, क्या आपको लगता है कि आपका भगवान किसी दूसरे देश के भगवान से बेहतर तरीके से मेरा सामना कर सकता है?